पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल के समक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली का नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतीकरण

नैक मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय अपने स्तर में सुधार करें

सर्वोच्च रैंक पर अन्य विश्वविद्यालयों के लिए प्रतिमान स्थापित करने वाला स्तर हासिल करें–

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 10 अगस्त, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में नैक मूल्यांकन हेतु महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन में अपने स्तर के सुधार के लिए और अधिक प्रयास करें तथा नैक की सर्वोच्च रैंक पर अन्य विश्वविद्यालयों के लिए प्रतिमान स्थापित करने वाला स्तर हासिल करें। राज्यपाल जी ने प्रस्तुतीकरण के दौरान कई ऐसे छोटे–छोटे बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराया, जहां विश्वविद्यालय अपने प्रयासों से स्तर में सुधार लाकर मूल्यांकन में वृद्धि कर सकते हैं।

राज्यपाल जी के समक्ष आज महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली ने अपने तीसरे नैक मूल्यांकन हेतु तैयारियों का प्रस्तुतीकरण दिया। ज्ञात हो कि नैक द्वारा विश्वविद्यालयों के स्तर का मूल्यांकन 75 प्रतिशत डेटा आधारित तथा 25 प्रतिशत विजिट आधारित होता है। इसके लिए समग्र मूल्यांकन की सात श्रेणियां निर्धारित हैं। विश्वविद्यालय ने 2015 में अपने दूसरे नैक मूल्यांकन में B श्रेणी तथा उससे पूर्व प्रथम मूल्यांकन में B+ श्रेणी प्राप्त की थी, जबकि 2015 के मूल्यांकन में नैक द्वारा मूल्यांकन श्रेणी में बदलाव लाकर B+ श्रेणी को मूल्यांकन से हटा दिया गया था। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को अपनी श्रेणी में सुधार कर A++ श्रेणी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय को उस क्षेत्र में स्थापित इण्डस्ट्रियों–कम्पनियों के सी0एस0आर0 फण्ड से विश्वविद्यालय ने इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में सहभागिता कराने, छोटे स्तर पर महिला उद्यमिता को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम करने, गरीब छात्रों के घर तक सम्पर्क हेतु शिक्षक मेन्टोर को निर्देशित करने, ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ की तर्ज पर व्यवस्थाओं को आनलाइन करने, छात्रों को उनके कोर्स से सम्बंधित व्यवहारिक ज्ञान तथा कम्प्यूटर प्रशिक्षण की जानकारी देने, विश्वविद्यालय के म्यूजियम को शिक्षण से जोड़ने, कैम्पस में दिव्यांगों के लिए शत्–प्रतिशत सुविधाएं व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कुलपति से कहा कि वे विद्यार्थियों को जानकारी दें कि विश्वविद्यालय की 'नैक श्रेणी' में सुधार होने पर केन्द्र सरकार से योजनाओं के लिए अधिक फण्ड तथा छात्रों के लिए सुविधाओं में विस्तार प्राप्त हो जाता है। उन्होंने इसके लिए शोध छात्र–छात्राओं को भी प्रशासनिक गतिविधियों से जोड़कर विश्वविद्यालय की नैक श्रेणी के सुधार हेतु प्रेरित करने को कहा। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय को अपनी गतिविधियों को अधिकतम आनलाइन रखने, पुराने डेटा के संकलन को दुरूस्त करने, विद्यार्थियों से तालमेल बेहतर रखने, नवाचार बढ़ाने सम्बन्धी निर्देश दिए। उन्होंने कहा नैक मूल्यांकन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां यथा समय पूर्ण कर जी जाएं।

विश्वविद्यालय के साथ नैक प्रस्तुतीकरण की तैयारियों पर इस बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डा0 पंकज जॉनी, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रो0 के0पी0 सिंह, चेयरमैन श्री संजय मिश्रा, रजिस्ट्रार डा0 राजीव कुमार, प्रो0 विनय रिषिवाल तथा अन्य सहयोगी उपस्थित थे।

राजभवन (10/07)

राजभवन उत्त

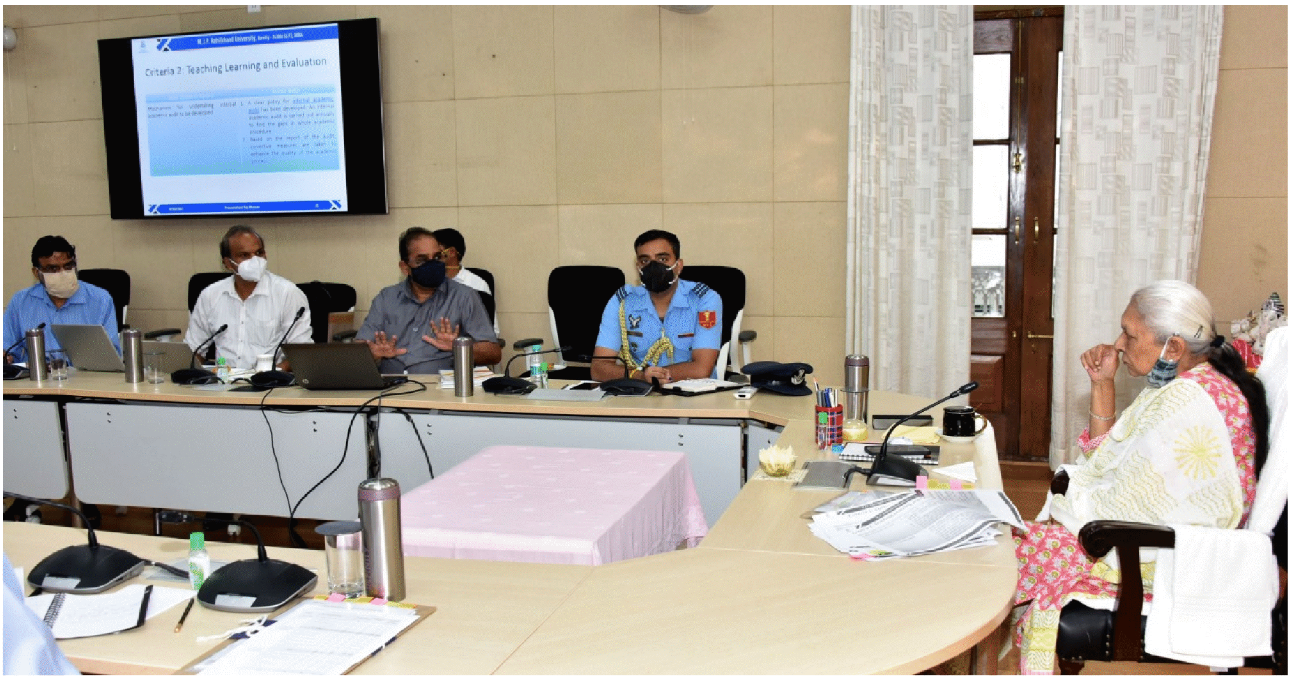
Criteria 2: Teaching Learning and Evaluation

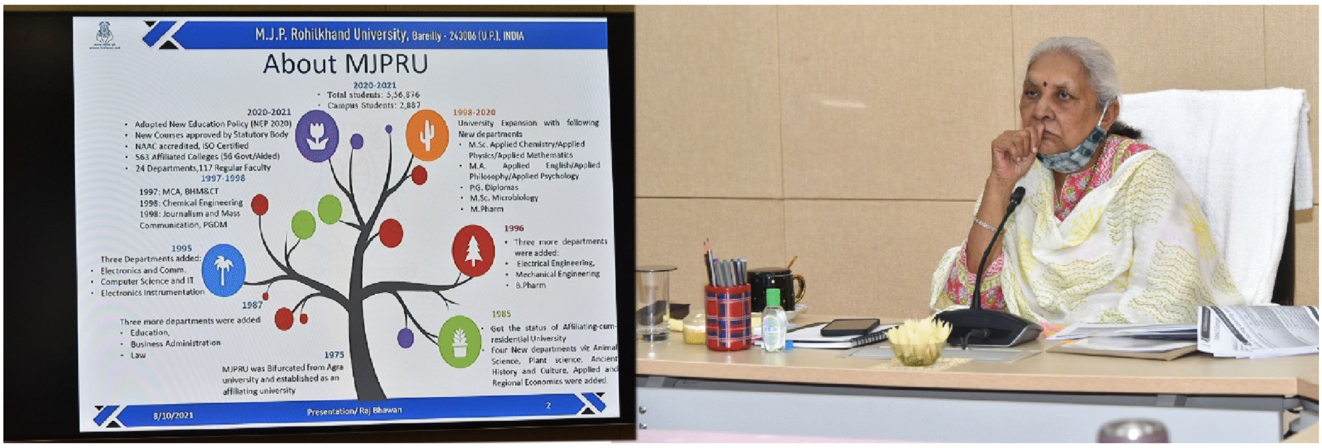
M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly - 243006 (U.P.), INDIA
About MJPRU
2020-2021
• Total students: 5,56,876
• Campus Students: 2,887
2020-2021
• Adopted New Education Policy (NEP 2020)
• New Courses approved by Statutory Body
• NAAC accredited, ISO Certified
• 563 Affiliated Colleges (56 Govt/Aided)
• 24 Departments,117 Regular Faculty
1997-1998
1997: MCA, BHM&CT
1998: Chemical Engineering
1998: Journalism and Mass Communication, PGDM
1995
Three Departments added:
• Electronics and Comm.
• Computer Science and IT
• Electronics Instrumentation
1987
Three more departments were added
• Education,
• Business Administration
• Law
1975
MJPRU was Bifurcated from Agra university and established as an affiliating university
1998-2020
University Expansion with following New departments
• M.Sc. Applied Chemistry/Applied Physics/Applied Mathematics
• M.A. Applied English/Applied Philosophy/Applied Psychology
• P.G. Diplomas
• M.Sc. Microbiology
• M.Pharm
1996
• Three more departments were added:
• Electrical Engineering,
• Mechanical Engineering
• B.Pharm
1985
• Got the status of Affiliating-cum-residential University
• Four New departments viz Animal Science, Plant science, Ancient History and Culture, Applied and Regional Economics were added.
8/10/2021
Presentation/ Raj Bhawan
2